सीबीएसई कक्षा - 12 हिंदी कोर प्रश्न पत्र 2016
(सेट-2)

निर्धारित समय : 3 घंटे अधिकतम अंक: 100

सामान्य निर्देश:

* इस प्रश्न पत्र में **14** प्रश्न हैं |

* **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं |

* विद्यार्थी यथासंभव अपने शब्दों में उत्तर लिखें |

खंड – 'क'

1. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (15)

मुक्त बाज़ार की अर्थव्यवस्था ने जहाँ एक ओर शिक्षा और रोज़गार के लिए अनेक अवसर प्रदान किए हैं वहीं हिंदी भाषा के लिए भी | बाज़ार में अधिसंख्य उपभोक्ता चूँकि हिंदी भाषी हैं इसलिए उत्पाद-विपणन, व्यापार और विज्ञापन के लिए हिंदी की आवश्यकता है | देश में भी हिंदी का चलन बढ़ा है | निहित राजनीतिज्ञ स्वार्थों को किनारे कर दें तो हिंदी का प्रचार-प्रसार बढ़ रहा है | हिंदीतर भाषा-भाषी राज्यों, विशेषकर दक्षिण के राज्यों के प्रमुख नगरों में हिंदी प्रसार का एक कारक 'मार्केट' से हिंदी का जुड़ाव भी है | हिंदी का कारवाँ भारत में ही नहीं, विदेशों में भी बढ़ रहा है | दुबई, रूस और ब्रिटेन में तो पहले से ही हिंदी अनजान भाषा नहीं थी; आज अमेरिका, यूरोप, दक्षिण-पूर्व एशिया, दक्षिण अफ्रीका आदि में भी हिंदी व्यवहार में आ रही है | जिन देशों में साम्राज्यवादी दिनों में भारतीय मज़दूर ले जाए गए थे वे आज भी भारतीय मूल का होने पर गर्व करते हैं और हिंदी को पूरे उत्साह के साथ अपनाए हुए हैं | उसमें मॉरिशस, फिज़ी, ट्रिनीडाड, सूरीनाम जैसे देश हैं | वहाँ हिंदी बाज़ार की ही भाषा नहीं, साहित्य और पात्रकारिता की भाषा भी है | उनकी पीड़ा ये है कि भारत ने अपने भारतवंशियों को भुला दिया है | ये लोग बँधुआ मज़दूर के रूप में ले जाए गए थे परंतु आज हमारे सांस्कृतिक दूत हैं | यह ऐसे ही है जैसे हज़ारों वर्ष पूर्व हमारे ऋषियों ने या बाद में बौद्धभिक्षुओं ने समुद्रों, पर्वतों को लाँघकर भारतीयता का प्रचार किया था | भारत हिंदी को संयुक्त राष्ट्र की भाषा बनाने के लिए प्रतिबद्ध है तो उसके साथ यह दायित्व भी उसी का है कि विश्वभर में बिखरे हिंदी भाषियों को बोद्धिक और संसाधनों से समर्थन प्रदान करे |

(क) उपर्युक्त अनुच्छेद का एक शीर्षक दीजिए | (1)

उत्तर- विदेश में हिंदी का कारवाँ या हिंदी हिंदी के बढ़ते चरण |

(ख) मुक्त बाज़ार के किन लाभों का उल्लेख किया गया है ? (2)

उत्तर- शिक्षा व रोजगार के अवसर तथा अर्थ व्यवस्था का विस्तार |

(ग) मुक्त बाज़ार से हिंदी को क्या लाभ हुआ है ? क्यों ? (2)

उत्तर- • अधिकांश उपभोक्ता हिंदी भाषी होने के कारण व्यापार प्रसार से हिंदी का चलन बढ़ा |

• भारत के बाहर भी हिंदी का प्रचलन बढ़ा |

(घ) दक्षिण भारत में हिंदी की क्या स्थिति है ? क्यों ? (2)

उत्तर- दक्षिण भारत में हिंदी के प्रति जागरूकता बढ़ी है क्योंकि बाज़ार से हिंदी का जुड़ाव है |

(ङ) साम्राज्यवादी दौर में भारतीय विदेशों में क्यों और कहाँ-कहाँ ले जाए गए ? (2)

उत्तर- साम्राज्यवादी दौर में मजदूरी करने के लिए मज़दूर विदेश ले जाए गए | तथा उन्हें मॉरिशस, फिजी, ट्रिनीडाड, सूरीनाम आदि |

(च) उन प्रवासियों कि पीड़ा क्या है और कहाँ तक ठीक है ? (2)

उत्तर- भारत ने अपने भारतवंशियों को भुला दिया तथा उनकी पीड़ा उचित है | लेकिन धीरे-धीरे स्थितियाँ बदल रही हैं |

(छ) "वे बँधुआ मज़दूर आज भारत के सांस्कृतिक दूत हैं " – आशय स्पष्ट कीजिए | (2)

उत्तर- बंधुआ मज़दूर आज भी हमारी भारतीय भाषा एवं संस्कृति के प्रचारक हैं, ऋषि मनीषियों की तरह |

(ज) हिंदी के अधिक प्रचार-प्रसार के लिए भारत को क्या करना चाहिए – दो सुझाव दीजिए | (2)

उत्तर- • हिंदी के प्रति प्रतिबद्धता दिखाएँ |

• विश्व भर में हिंदी भाषियों को समर्थन प्रदान करें |

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (1 × 5 = 5)

आज सिंधु ने विष उगला है
लहरों का यौवन मचला है
आज हृदय में और सिंधु में
साथ उठा है ज्वार |
यह असीम निज सीमा जाने
सागर भी तो यह पहचाने
मिट्टी के पुतले मानव ने
कभी न मानी हार |
लहरों के स्वर में कुछ बोलो
इस अंधड़ में साहस तोलो
कभी-कभी मिलता जीवन में
तूफ़ानों का प्यार |
सागर की अपनी क्षमता है
पर नाविक भी कब थकता है
जब तक साँसों में स्पंदन है
उसका हाथ नहीं रुकता है
इसके ही बल पर कर डाले सातों सागर पार

तूफ़ानों की ओर घुमा दो नाविक निज पतवार |

(क) कवि नाविक से क्या अनुरोध कर रहा है और क्यों ?
उत्तर- • कठिनाइयों में डटा रहे |
• संघर्षों से पलायन न करें |
• क्योंकि परिस्थितियाँ विपरीत हैं |

(ख) कवि के अनुसार समुद्र को क्या पहचान लेना चाहिए ?
उत्तर- मनुष्य ने कभी हार नहीं मानी |

(ग) नाविक के स्वभाव और संघर्ष को स्पष्ट कीजिए |
उत्तर- जब तक उसकी साँसों में स्पंदन है, तब तक वह अपना कार्य करता रहता है |

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 'कभी-कभी मिलता जीवन में तूफानों का प्यार'
उत्तर- कभी-कभी ही हमें चुनौतियों का सामना कर मानव शक्ति का परिचय देने का अवसर मिलता है |

(ङ) काव्यांश का केंद्रीय भाव क्या है ?
उत्तर- संघर्ष ही जीवन है |

खंड –'ख'

3. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर एक निबंध लिखिए : (5)
(क) मेरे सपनों का भारत
(ख) जनसंख्या वृद्धि की समस्या
(ग) खोजी पत्रकारिता
(घ) नारी जीवन का संघर्ष
उत्तर- किसी एक विषय पर निबंध अपेक्षित:
• भूमिका एवं उपसंहार
• विषय-वस्तु
• भाषा की शुद्धता एवं प्रस्तुति

4. 'प्राथमिक कक्षाओं में शिक्षा का माध्यम मातृभाषा ही होना चाहिए |' इसके पक्ष या विपक्ष में तर्क देते हुए किसी समाचार-पत्र के संपादक को पत्र लिखिए | (5)
अथवा
ग्रामीण अंचलों में किसानों की शोचनीय दशा के कारणों का विश्लेषण करते हुए अपने राज्य के कृषि मंत्री को पत्र लिखिए |
उत्तर- पत्र-लेखन:

• आरंभ और अंत की औपचारिकताएँ

• प्रभावी विषय-वस्तु

• भाषा/प्रस्तुति

5. निम्नलिखित प्रश्नों के सक्षिप्त उत्तर दीजिए: (1 × 5 = 5)

(क) 'समाचार' क्या है ? कोई एक परिभाषा स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- समाचार किसी भी ऐसी ताज़ी घटना, विचार या समस्या की रिपोर्ट है, जिसमें अधिक से अधिक लोगों की रूचि है | अधिक लोगों पर प्रभाव पड़ रहा हो |

(ख) प्रिंट माध्यम की दो उपयोगिताएँ लिखिए |

उत्तर- • स्थायित्व |

• कभी भी कहीं भी पढ़ा जा सकता है |

• लंबे सन्य तक सुरक्षित रख सकते हैं |

• लिखित भाषा का विस्तार |

(ग) संपादन के किन्ही दो सिंद्धांतो का उल्लेख कीजिए |

उत्तर- • तथ्यों की शुद्धता |

• वस्तुपरकता |

• निष्पक्षता |

• संतुलन |

• स्रोत |

(घ) 'पीत पत्रकारिता' किसे कहा जाता है ?

उत्तर- सनसनी | चकाचौंध या ग्लैमर फैलाने वाली पत्रकारिता |

(ङ) रेडियो समाचारों की भाषा की दो विशेषताएँ समझाइए |

• लोक प्रचलित सरल शब्दावली |

• स्पष्ट भाषा |

• छोटे-छोटे वाक्यों का प्रयोग |

6. 'नगरों की ओर पलायन' अथवा 'मँहगाई का दानव' विषय पर एक फ़ीचर का आलेख लिखिए | (5)

उत्तर- किसी एक फ़ीचर का लेखन –

• विषय – वस्तु

• प्रभावी प्रस्तुति

• भाषा की शुद्धता

7. 'स्वस्थ भारत स्वच्छ भारत' अथवा 'सब पढ़ें सब बढ़ें' विषय पर एक आलेख लिखिए | (5)

उत्तर- किसी एक आलेख का लेखन –

- विषय – वस्तु
- प्रभावी अभिव्यक्ति
- भाषा / प्रस्तुति

खंड – 'ग'

8. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिखिए : (2 × 4 = 8)

जौं जनतेउँ बन बंधु बिछोहू |
पिता बचन मनतेउँ नहिं ओहू ||
सूत बित नारि भवन परिवारा |
होहिं जाहिं जग बारहिं बारा ||
अस बिचारि जियँ जागहु ताता |
मिलइ न जगत सहोदर भ्राता ||
जथा पंख बिनु खग अति दीना |
मनि बिनु फनि करिबर कर हीना ||
अस मम जिवन बंधु बिनु तोही |
जौं जड़ दैव जिआवै मोही ||

(क) राम पिता का वचन नहीं मानें – क्या यह संभव था ? फिर वे ऐसा क्यों कह रहे हैं ?

उत्तर- आज्ञाकारी पुत्र राम के लिए यह संभव नहीं था | क्यों वे अवतार होने के कारण मानव लीला कर रहे हैं |

(ख) काव्यांश के आधार पर तुलसीदास के नारी विषयक विचार पर टिप्पणी कीजिए |

उत्तर- • तुलसीदास ने भाई के महत्त्व को बताने के लिए पत्नी के रिश्ते पर टिप्पणी की है जो नारी के महत्व को कम करती है |

• तत्कालीन सामाजिक मान्यता के अनुरूप तुलसी पत्नी को भाई से कमतर मानते हैं |

(ग) पक्षी और हाथी का उदाहरण क्यों दिया गया है ?

उत्तर- पंख के बिना पक्षी और सूंड के बिना हाथी का कोई अस्तित्व नहीं उसी तरह ही लक्ष्मण के बिना राम की स्थिति है |

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 'मिलइ न जगत सहोदर भ्राता |'

उत्तर- • ऐसा कर्तव्यनिष्ठ, समर्पित और स्नेही भाई कभी नहीं मिल सकता |

• राम के भ्रातृ-प्रेम का सूचक कथन |

अथवा

जाने क्या रिश्ता है, जाने क्या नाता है

जितना भी उँड़ेलता हूँ भर-भर फिर आता है
दिल में क्या झरना है ?
मीठे पानी का सोता है
भीतर वह, ऊपर तुम
मुसकाता चाँद ज्यों धरती पर रात-भर
मुझ पर त्यों तुम्हारा ही खिलता वह चेहरा है !

(क) किसके रिश्ते को कवि समझ नहीं पा रहा है और क्यों ?

उत्तर- अपने प्रिय पात्र के क्योंकि जितना प्रेम वह करता है उतना हिअधिक प्रेम भंडार बढ़ता जाता है |

(ख) कवि को क्यों लगता है कि दिल में कोई झरना है ?

उत्तर- प्रेम की अधिकता के कारण या प्रेम – भंडार में कमी न आने के कारण |

(ग) 'भीतर वह, ऊपर तुम, - 'वह' और 'तुम' कौन हैं ? स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • वह – आंतरिक प्रेम |

• तुम – प्रिय पात्र |

• भीतर वह का अर्थ हृदय के भीतर बसने वाला प्रिय-पात्र |

• ऊपर तुम का शी है कवि के प्रेम से भरे हृदय पर प्रिय-पात्र का अधिकार |

(घ) मुस्कराते चाँद वाली कल्पना को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- जिस प्रकार पूर्णिमा का चाँद अपनी चाँदनी बिखेर देता है, उसी प्रकार प्रिय – पात्र का स्नेह कवि के जीवन को खुशियों से भर देता है |

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2 × 3 = 6)

आँगन में; लिए चाँद के टुकड़े को खड़ी
हाथों पे झुलाती है उसे गोद-भरी
रह-रह के हवा में जो लोका देती है
गूँज उठती है खिल-खिलाते बच्चे की हँसी |

(क) काव्यांश के वात्सल्य भाव को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • माँ के द्वारा बच्चे को उछालने-झुलाने और प्यार करने की स्वाभाविक प्रक्रिया का वर्णन |

• बच्चे की किलकारी एवं ख़ुशी का स्वाभाविक वर्णन |

(ख) 'चाँद के टुकड़े को' – अंलकार सौंदर्य स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • रूपक अलंकार |

• उपमेय में उपमान को आरोपित किया गया है | बच्चे को चाँद का टुकड़ा माना |

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर- • आंचलिक एवं देशज भाषा का प्रयोग |

• सहजता एवं सरसता |

अथवा

सरोवर हुआ
खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा
शरद आया पुलों को पार करते हुए
अपनी नई साइकिल तेज़ चलाते हुए

(क) खरगोश की आँखों से किसकी तुलना की गई है ? क्यों ?

उत्तर- प्रातःकाल से क्योंकि शरद ऋतू के प्रातःकाल एवं खरगोश की आँखों के रंग और चमक में समानता है |

(ख) काव्यांश के मानवीकरण को स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • शरद आया .... चलाते हुए |

• शरद ऋतू को मानव जैसा कार्य करता हुआ दिखाया गया है | 'आना' क्रिया गतिशील है |

(ग) काव्यांश की भाषा की दो विशेषताएँ लिखिए |

उत्तर- • खड़ी बोली का सरल-सहज प्रयोग |

• प्रतीकात्मक भाषा | साइकिल चलाना, पुल पार करना |

10. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3 + 3 = 6)

(क) 'आत्मपरिचय' कविता में कवि ने अपने जीवन में किन परस्पर विरोधी बातों का समंजस्य बिठाने की बात की है ?

उत्तर- • रोदन में राग |

• शीतल वाणी में विचारों की प्रखरता |

• उन्माद में अवसाद |

• बाह्य रूप में प्रसन्न दिखना परंतु अंदर से दुखी |

(ख) कविता के बहाने' उसकी उड़ान और उसके खिलने का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • चिड़िया की उड़ान कवि की कल्पना की उड़ान |

• फूल खिल कर सर्वत्र सुगंध और सौंदर्य बिखेरते हैं, कविता भावों-विचारों को फैलाती है |

• फूलों का प्रभाव/आनंद सीमित है लेकिन कविता का आनंद असीमित और शाश्वत है |

(ग) 'बादल राग' के आधार पर लिखिए कि वज्र गर्जन से कौन त्रस्त होते हैं और क्यों ?

उत्तर- धनी और शोषक वर्ग त्रस्त होते हैं क्योंकि धनिकों को क्रांति के कारण अपनी धन-सम्पत्ति छिन जाने का डर सता रहा है तथा शोषित निर्धनों के जागरूक होने के कारण उनकी सुख-सुविधा छिन जाने का भय है |

11. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (2 × 4 = 8)

जैसे मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है, वैसे ही लक्ष्मी की समृद्धि भक्तिन के कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी |वैसे तो जीवन में प्रायः सभी को अपने-अपने नाम का विरोधाभास लेकर जीना पड़ता है; पर भक्तिन बहुत समझदार है, क्योंकि वह अपना समृद्धि सूचक नाम किसी को बताती नहीं | केवल जब नौकरी की खोज में ऐ थी, तब ईमानदारी का परिचय देने के लिए उसने शेष इतिवृत्ति के साथ यह भी बता दिया; पर इस प्रार्थना के साथ कि मैं कभी नाम का उपयोग न करूँ |

(क) भक्तिजन का समृद्धि सूचक नाम क्या था ? वह उसे बताना क्यों नहीं चाहती ?

उत्तर- लक्ष्मी लक्ष्मी नाम समृद्धि का सूचक होता है, पर यह नाम उसकी गरीबी का मजाक उड़ाता प्रतीत होता है | वह स्वयं निधन थी इसलिए उसे लक्ष्मी नाम से संकोच होता था |

(ख) 'मेरे नाम की विशालता मेरे लिए दुर्वह है' – कथन का आशय स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- महादेवी का अर्थ है – महान् और महिमामयी देवी | लेखिका के जीवन में महान और देवी जैसी महानता या महिमा नहीं है |

(ग) 'नाम के विरोधाभासों' का आशय सोदाहरण समझाइए |

उत्तर- • लेखिका नाम के अनुरूप महिमामयी देवी न हो सकी |

• भक्तिन 'लक्ष्मी' हो कर भी गरीब थी |

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 'भक्तिजन की समृद्धि कपाल की कुंचित रेखाओं में नहीं बँध सकी |'

उत्तर- लोक – विश्वासों में माथे की रेखाओं का सम्बन्ध भाग्य से जोड़ा जाता है | लक्ष्मी के भाग्य में सुख नहीं था |

अथवा

बाज़ार को सार्थकता भी वही मनुष्य देता है जो जानता है कि वह क्या चाहता है | और जो नहीं जानते कि वे क्या चाहते हैं, अपनी 'परचेजिंग पावर' के गर्व में अपने पैसे से केवल एक विनाशक शक्ति – शैतानी शक्ति, व्यंग्य की शक्ति ही बाज़ार को देते हैं | न तो वे बाज़ार से लाभ उठा सकते हैं, न उस बाज़ार को सच्चा लाभ दे सकते हैं | वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं |

(क) बाज़ार को सार्थकता कौन देता है ? कैसे ?

उत्तर- जो ग्राहक अपनी आवश्यकताओं को भली-भाँति जानता है | वह उन्हें अपनी आवश्यकतानुसार वस्तुओं को खरीद कर |

(ख) खरीदने की शक्ति का घमंड बाज़ार को क्या प्रदान करता है ?

उत्तर- विनाशक शक्ति तथा शैतानी और व्यंग्य-शक्ति |

(ग) 'बाज़ार की सार्थकता' से क्या तात्पर्य है ?

उत्तर- ग्राहकों की जरूरतें पूरी करना तथा ग्राहकों की संतुष्टि करना |

(घ) आशय स्पष्ट कीजिए – 'वे लोग बाज़ार का बाज़ारूपन बढ़ाते हैं |'

उत्तर- • 'वे लोग' – जिनको अपनी क्रय शक्ति पर गर्व है |

• क्रय शक्ति के गर्व में अनावश्यक वस्तुओं को खरीदना |

• छल-कपट का वातावरण |

12. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (3 × 4 =12)

(क) 'काले मेघा पानी दे' के आधार पर लिखिए कि आज कैसी स्थितियों के कारण लेखक को कहना पड़ा – आखिर कब बदलेगी यह स्थिति ?

उत्तर- • लोगों की बढ़ती स्वार्थ की भावना |

• भ्रष्ट व्यवस्था |

• कथनी और करनी में अंतर |

• त्याग, समर्पण जैसे मूल्यों का अभाव |

(ख) चार्ली चैप्लिन के जीवन के उन संघर्षों का उल्लेख कीजिए जिनसे जूझते हुए उनका व्यक्तित्व संपन्न बना |

उत्तर- • एक परित्यक्ता और स्टेज अभनेत्री का बेटा होना |

• भयावह गरीबी और माँ के पागलपन से संघर्ष करना |

• पूँजीवादी वर्ग से उपेक्षित जीवन जीना |

• खानाबदोशों की तरह जीना |

(ग) 'शिरीष' एक 'अद्भुत अवधूत' क्यों कहा गया है ?

उत्तर- • तपस्वी की तरह विपरीत परिस्थितियों में भी अपने अस्तित्व को बनाए रखना |

• कठिनाइयों में स्वयं प्रसन्न रह कर दूसरों को भी प्रसन्न रखना |

• अपने फूलों (विचारों) से वातावरण को सुगन्धित करना |

(घ) जाति प्रथा को श्रम-विभाजन का रूप न मानने के पीछे डॉ. आंबेडकर के क्या तर्क हैं ?

उत्तर- • यह मनुष्य की रूचि पर आधारित नहीं |

• मनुष्य को अपना पेशा या कार्य चुनने का अधिकार नहीं |

• समाज के आर्थिक विकास में हानि |

(ङ) 'नमक' कहानी का संदेश स्पष्ट कीजिए |

उत्तर- • मानचित्र पर एक लकीर खींच देने से न देश बँटता है और न जनता का देश-प्रेम |

• एक-दूसरे के प्रति सद्भाव रखना |

• दिलों के रिश्ते नियम-कानून से बड़े होते हैं |

13. यशोधर पंत के जीवन से हमें किन जीवन मूल्यों की प्रेरणा मिलती है ? कीजिए | (5)

उत्तर- • सत्य, ईमानदारी |

• बड़ो का सम्मान |

• लड़का-लड़की में भेद नहीं करते |

• पैसो का अनावश्यक व्यय नहीं करते

• भारतीय मूल्य एवं मान्यताओं में विश्वास |

• सिद्धांतवादी |
• अधिकारी के रूप में सहयोगियों के प्रति अच्छा व्यवहार |

14. (क) 'डायरी के पन्ने' के आधार पर पीटर के स्वभाव की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए | (5)

उत्तर- • सहनशील, शांतिप्रिय आत्मीय व्यक्ति
• सहयोगी स्वभाव |
• सच्चा मित्र |
• खाने का शौकीन |
• दृढ़ निश्चयी |

(ख) 'अतीत में दबे पाँव' के आधार पर सिंधु घाटी सभ्यता की प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए | (5)

उत्तर- • साधन-संपन्न सभ्यता |
• सुनियोजित नगर व्यवस्था |
• समाज में एकरूपता
• कला में सुरुचि |
• सुसंस्कृत, उन्नत सभ्यता |
• राज-पोषित नहीं, समाज-पोषित व्यवस्था |